SPICES BOARD
(Ministry of Commerce and Industry
Government of India)
Sugandha Bhavan
N.H. By-pass
P.B. No. 2277
Palarivattom P.O.
Cochin - 682 025, India

स्पाइसेस बोर्ड
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार)
सुगन्ध भवन
एन. एच. बाइपास
पी. बी. नं. 2277
पालारिवट्टम पी.ओ.
कोचिन - 682 025, भारत

प्रेस विज्ञप्ति

टेड्र फेयर में स्पाइसेस बोर्ड के स्टॉल से किसान समूहों को मिल रहा है प्रोत्साहन

नई दिल्ली, 22 नवंबर : स्पाइसेस बोर्ड भारत में उपभोक्ता वस्तुओं के सबसे बड़े मेले – भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) 2017 में देश के विभिन्न हिस्सों के किसान समूहों और सहकारी समितियों को अपनी प्रतिभागिता के जरिए एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जिससे कि वे अपने उत्पादों को बाजार में ला सकते हैं।

नई दिल्ली में चल रहे ट्रेड फेयर में स्पाइसेस बोर्ड ने मसालों और किसान समूहों को बढ़ावा देने के लिए 35 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का स्टॉल लगाया है। ज्ञातव्य है कि बोर्ड न केवल मसालों के विपणन और निर्यात से संबंधित जिम्मेदारियों को वहन करता है, बल्कि यह पूरे देश में मसालों के उत्पादन के क्षेत्र में किसानों को प्रशिक्षण और समर्थन देने में सक्रिय रूप से शामिल है।

इस साल अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ट्रेड फेयर में लगे स्पाइसेस बोर्ड के स्टॉल पर जिन समूहों ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया है उनमें केरल के त्रिशूर के अन्नमनंदा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड भी है जो जायफल और संबंधित उत्पादों के साथ भाग ले रहा है।

कश्मीर के पैम्पोर में स्थित द ऑल जे एंड के सैफ्रॉन ग्रोवर्स डेवलपमेंट एंड मार्केटिंग कोऑपरेटिव एसोसिएशन और द न्यू ऑल सैफ्रॉन ग्रोवर्स डेवलपमेंट एंड मार्केटिंग कोऑपरेटिव ने आईआईटीएफ में कहवा और कहवा पाउडर सहित केसर और संबंधित उत्पादों को पेश किया है।

कश्मीर के एक प्रतिनिधि ने कहा कि वे अपने उत्पादों का बेहतर गुणवत्ता और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए मार्केटिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''बाजार में खुदरा में एक ग्राम केसर 320–350 रुपये में मिलता है, लेकिन हम इसे अपने स्टॉल पर 250 रुपये प्रति ग्राम के हिसाब से बेच रहे हैं और इसकी गुणवत्ता की पूरी गारंटी है क्योंकि यह किसानों से सीधे आता है।''

कश्मीर का मुख्य उत्पाद माना जाने वाला केसर उन मसालों में से एक है जिसका स्पाइसेस बोर्ड घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है। साथ ही इसके लिए जीआई (भौगोलिक संकेत) पंजीकरण हासिल करने के भी प्रयास किये जा रहे हैं।

स्पाइसेस बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. जयतिलक आईएएस ने कहा कि हमारे प्रयासों की सफलता हेतु विपणन प्रयासों के लिए जमीनी स्तर पर भागीदारी करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि किसानों के समूह और सहकारी समितियां अपने उत्पादों का प्रदर्शन, व्यापार सौदों और निर्यात करने में अगुवाई करें। यही वजह है कि उन्हें आईआईटीएफ जैसे आयोजनों में अधिक दिखना चाहिए।''

स्पाइसेस बोर्ड के स्टॉल पर काफी संख्या में दर्शक आ रहे हैं। विशेष रूप से सप्ताहांत में यहां काफी अधिक भीड़ हो जाती है।

SPICES BOARD
(Ministry of Commerce and Industry
Government of India)
Sugandha Bhavan
N.H. By-pass
P.B. No. 2277
Palarivattom P.O.
Cochin - 682 025, India

स्पाइसेस बोर्ड
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार)
सुगन्ध भवन
एन. एच. बाइपास
पी. बी. नं. 2277
पालारिवट्टम पी.ओ.
कोचिन - 682 025, भारत

इसके अलावा यहां स्पाइसेस बोर्ड की उद्यमशील पहल 'फ्लेवॉरिट' के उत्पाद भी उपलब्ध हैं, जहां परंपरागत मसाले, मसालों के अर्क और हर्ब्स से लेकर मसाले युक्त साबुन और सौंदर्य प्रसाधन सामग्री और यहां तक कि चॉकलेट जैसे कई उत्पाद मौजूद हैं।

कई ग्राहक आईआईटीएफ में स्पाइसेस बोर्ड के स्टॉल पर नियमित रूप से आते हैं।

स्पाइसेस बोर्ड के स्टॉल में आने वाली एक विजिटर श्रीमती नीता शर्मा ने कहा, ''मैं हर व्यापार मेले में यहां से हमेशा मसाले खरीद कर ले जाती हूं। यहां के मसालों की गुणवत्ता से मुझे कभी निराश नहीं होना पड़ा जबकि इन दिनों मसालों की गुणवत्ता बड़ी चिंता का विषय है। जब हम किसी सरकारी दूकान से मसाले खरीदते हैं तो हमें विश्वसनीय और मिलावट रहित उत्पाद मिलने की गारंटी होती है।''

स्पाइसेस बोर्ड का स्टॉल 27 नवंबर को आईआईटीएफ 2017 के खतम होने तक प्रदर्शनी स्थल पर हॉल नंबर 18 में खुला रहेगा।